फ़ैशन के लिए नई पहल

हॉवर्ड सिनकॉट्ज़ और डेबॉरा कॉन

फोटो: विलियम अर्लिसमैन

कनेटिकट की युवा डिज़ाइनर ऐसे कपड़े डिज़ाइन कर रही हैं जो शालीन होने के साथ ही फ़ैशन के अनुरुप भी हैं।

23 साल की नायला हाशमी और 25 बरस की फातिमा मौंकुश काफी अलग किस्म की युवतियां हैं लेकिन उनमें कई बातें साझी हैं। दोनों दक्षिण एशियाई मुस्लिम पिताओं और अमेरिकी ईसाई मांओं की बेटियां हैं। दोनों हार्टफर्ड, कनेटिकट में पली-बढ़ी पक्की सहेलियां हैं। और अब दोनों मिलकर स्त्रियों के लिए ऐसे फैशनेबल कपड़े तैयार कर रही हैं जिनमें परंपरागत मर्यादा का पूरा ध्यान रखा गया है।

नायला और फातिमा ने फरवरी 2009 में अपना डिजाइनर लेबल इवा खुर्शीद बाज़ार में उतारा। यह हालांकि एक खास ग्राहक वर्ग की पसन्द पर खरा उतरेगा लेकिन डिजाइनर जोड़ी को आशा है कि यह अधिक व्यापक बाज़ार को भी आकर्षित कर पाएगा।

नायला कहती हैं, ''हमारे लेबल से ही इसका मुस्लिम संबंध झलकता है लेकिन हमारे कपड़ों में कोई भी स्त्री शानदार लगेगी। यह सक्रिय जीवन शैली वाली, 25 से 35 वर्ष तक की स्त्रियों के लिए अमेरिकी तर्ज की पोशाकें हैं।''

पोशाकों की दुविधा

कपड़े डिज़ाइन करने में नायला और फातिमा की रुचि किशोरियों के तौर पर हुई। वर्ष 1995 में, जब फातिमा 10 बरस की थीं, उनका परिवार पाकिस्तान चला गया, लेकिन वह गर्मियों की छुट्टियां कनेटिकट में ही बिताती थीं। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमले के बाद उनका परिवार स्थायी रूप से अमेरिका लौट आया।

हाशमी बताती हैं, ''उन गर्मियों में जब मैं यहां लौटी तो मुझे समझ में आया कि पाकिस्तानी और अमेरिकी किशोरों की संस्कृतियां कितनी अलग-अलग हैं। मेरे लिए यह किसी सांस्कृतिक उथल-पुथल से कम नहीं था। अब मेरे माता-पिता चाहते थे कि मैं परंपरागत मर्यादा के अनुरूप कपड़े पहनूं क्योंकि मैं बड़ी हो रही थी। मैं दूसरे अमेरिकी किशोरों की ही तरह नए फ़ैशन के कपड़े पहनना चाहती थी। लेकिन बाज़ार में ऐसे कपड़े उपलब्ध नहीं थे जो मेरी और मेरे माता-पिता दोनों की शर्तों पूरी करते हों।

फातिमा का अनुभव भी कुछ ऐसा ही था। वह याद करती हैं, ''मेरे पहनने लायक रेडीमेड कपड़े मुश्किल से ही मिल पाते थे।'' इसलिए दोनों सहेलियां अक्सर एक के ऊपर एक कपड़े पहन कर काम चलाती थीं। फातिमा हंसती हैं, ''मुस्लिम लड़कियों के लिए बस यही चारा बचता था।''

नायला और फातिमा को उनकी मांओं ने कपड़े सिलना सिखाया। फातिमा बताती हैं, ''मेरी मां ने मुझे पैटर्न देख कर कपड़े सिलना और उसमें अपनी जरूरत के मुताबिक बदलाव करना सिखाया। मैं 16 बरस की थी तो अपने कपड़े खुद सिलने लगी थी। उस बरस मैंने और नायला ने अपनी राह चुन ली थी।''

पोशाक और आराम

इन सहेलियों ने सही वेशभूषा की अपनी परिभाषा रची है। नायला बात ठीक से समझाती हैं, ''मैं एक परम्परानिष्ठ परिवार में पली-बढ़ी और मेरे माता-पिता का आग्रह था कि मैं मर्यादा का ध्यान रखते हुए कपड़े पहनूं। आखिर मैं अपने लिए आरामदेह कपड़ों का स्तर तय कर पाई- मैं छोटी बांहों वाले कपड़े पहन लेती हूं लेकिन गहरे गले वाले या शरीर से चिपके कपड़े नहीं पहनती। मैं उनमें सहज महसूस नहीं करती।''

फातिमा अपना नज़रिया रखती हैं,''बात नियमों की नहीं, सही लगने की है। जहां तक मेरा सवाल है तो मैं तो टैंक टॉप या छोटी ड्रेसें पहनूंगी नहीं। मैं वैसे कपड़ों में सहज महसूस नहीं कर पाऊंगी। मैं तो 14 बरस की उम्र से सिर ढकती हूं।''

मिश्रित परिवार में बड़ा होना

नायला की मां कैथॅलिक थीं, उनके पिता पाकिस्तानी हैं जो 70 के दशक में अमेरिका आए और अमेरिकी नागरिक हैं। वह बताती हैं,''मेरे पिता हार्ट सर्जन थे और मेरी मां नर्सिंग की पढ़ाई कर रहीं थीं। मां को मेरे पिता की उदारता और दयालुता ने इतना प्रभावित किया कि उन्होंने उनसे शादी कर ली और उनका धर्म भी अपना लिया।''

नायला हर रविवार को अपने तीन भाई-बहनों के साथ इस्लामी शिक्षा पाती रहीं।

फातिमा के पिता 1971 में बांगलादेश से अपने चचेरे भाई के पास वेस्ट वर्जिनिया आए थे। फातिमा की मां की उनसे मुलाकात एक दोस्त के यहां हुई थी। विवाह के पहले उन्होंने अपने भावी पति का धर्म अपना लिया था।

इवा खुर्शीद के पतझड़ 2009 के डिज़ाइन कलेक्शन में बेसिक स्टाइल के साथ ही सिग्नेचर लुक भी है।

फ़ैशन की दुनिया में

हाईस्कूल के बाद फातिमा ने यूनिवर्सिटी ऑफ़ कनेटिकट और सेंट्रल कनेटिकट स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की और कला में स्नातकोत्तर उपाधि पाई। फिर वह न्यू यॉर्क सिटी चली आईं और पहली गर्मियों में नायला के साथ ही उसके अपार्टमेंट में रहीं। नायला तब न्यू यॉर्क के फ़ैशन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी की छात्रा थीं।

इंस्टिट्यूट की पढ़ाई पूरी कर के नायला इस्राइली डिज़ाइनर एली ताहारी के लिए स्त्रियों के स्वेटरों के डिज़ाइन बनाने लगीं। फातिमा ने भी शहरी पुरुषों के लिए हिप-हॉप पोशाकें तैयार करने वाले डिज़ाइनर लेबल कूगी के साथ काम शुरू किया और अब स्त्रियों के अनौपचारिक वस्त्र तैयार करनेवाले लेबल मैरीड टु द मॉब के साथ काम कर रहीं हैं।

नायला और फातिमा ने सप्ताहान्तों में काम कर के अपना फ़ैशन संग्रह तैयार किया। और यह काफी दिक्कतभरा था- फातिमा ब्रुकलिन में रहती हैं और नायला क्वींन्स में- लेकिन दोनों ही अपने सपने के प्रति समर्पित हैं, इसलिए दिक्कतें उनके काम में बाधा नहीं बन पाईं।

उनके डिज़ाइन किए कपड़ों की ही तरह उनके लेबल का नाम भी दो संस्कृतियों के संगम को प्रतिबिम्बित करता है। नायला बताती हैं, ''इवा फ़ातिमा की नानी थीं और खुर्शीद मेरी दादी का नाम है।'' इवा खुर्शीद लेबल को पहलेपहल कोटरी में प्रदर्शित किया गया जो न्यू यॉर्क सिटी का बहुत बड़ा फैशन व्यवसाय का शो है।

नायला और फातिमा फिलहाल अपनी नौकरियां नहीं छोड़ रहीं लेकिन उन्हें आशा है कि उनका संग्रह बाज़ार में महसूस की जा रही ज़रूरत को पूरा करेगा। नायला कहती हैं, ''हमारा ब्रांड और सब से हटकर है। हम अपने काम में सबसे बढ़िया, सबसे बड़े बनना चाहते हैं।''

हावर्ड सिनकॉट्ज़ और डेबॉरा कॉन America.gov के विशेष संवाददाता हैं।

नायला हाशमी (बाएं) और फातिमा मौंकुश।

फोटो: नायला हाशमी